लेकिन यह चीज तब हो सकती है जब हम में डिसिप्लिन हो । जब हम नियंत्रित हो जायें, तब कानून की आवश्यकता नहीं होगी । यह ठीक है कि अगर कानूनों पर ठीक ढंग से अमल न हो, तो कानून नहीं बनने चाहियें । लेकिन जब बड़े बड़े कानून बन रहे हैं तब इस छोटे से समाज सुधार के कानून को रोकना ठीक नहीं है ।

राजकुमारी जी ने एक चीज यह कही कि यह काम सोशल वैलफेयर बोर्ड के सुपुर्द करना चाहिये । मेरा यह विचार है कि यह कानून सोशल वैलफेयर बोर्ड के विरुद्ध नहीं है बल्कि उसके काम का पूरक है । इससे सोशल वैलफेयर बोर्ड को सहायता मिलेगी और सोशल वैलफेयर बोर्ड से इसको सहायता मिलेगी । इसलिये इसको इंटरफियरेंस न कह कर सहायता कहना चाहिये ।

श्री प्रकाश नारायन सप्रू : मगर बोर्ड कंट्रोल कैसे करेगा ?

श्री नवाबसिंह चौहान : रूल्स बना करके । जिस तरह से और चीजें सुपरवाइज की जा रही हैं, उसी तरह से यह चीज भी सुपरवाइज की जायेगी । इतनी ऐफिशिएंसी होते हुए, इतनी पुलिस और सी० आई० डी० होते हुए जिस तरह से आप चोरियां, डकैतियां और कत्ल सुपरवाइज कर रहे हैं, उसी तरह से इसको सुपरवाइज कर लीजियेगा । जब इतने बड़े बड़े काम हो रहे हैं तो क्या यह छोटा सा काम नहीं होगा । मैं समझता हूं कि यह काम जरूर होगा और इस काम में हर तरीके से चारों ओर से मदद मिलेगी ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You want more time?

श्री नवाबसिंह चौहान : मैं जल्दी ही खत्म कर रहा हूं ।

एक माननीय सदस्य : एक बज रहा है ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You may continue after lunch. There is an announcement by the Minister of Parliamentary Affairs.

ANNOUNCEMENT *RE* GOVERNMENT BUSINESS FOR THE WEEK COMMENCING 24TH AUGUST, 1959

THE *MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS* (SHRI SATYA NARAYAN SINHA): With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House for the week commencing 24th August, 1959 will consist of—

1. Discussion on the Resolution approving the Proclamation issued by the President under Clause (i) of Article 356 of the Constitution in relation to the State of Kerala.
2. Consideration and return of the International Monetary Fund and Bank (Amendment) Bill, 1959, as passed by Lok Sabha.
3. Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.
4. Discussion on Food Situation in the country on a motion to be moved by Shri Bhupesh Gupta on Thursday, 27th August, after the question hour.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned till 2-30 P.M.

The House then adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at half past two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

THE ORPHANAGES AND OTHER CHARITABLE HOMES (SUPERVISION AND CONTROL) BILL, 1959—*continued*

श्री नवाबसिंह चौहान : श्रीमन्, जो आजकल अनाथालयों के नाम से बहुत सी संस्थायें —जिनको संस्था कहना कोई उचित नहीं